

ZÚME सत्र 1 का वीडियो स्क्रिप्ट्स

बाईबल अध्ययन के माध्यम

यीशु ने कहा था-“तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ और उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो।”

यदि यीशु के सभी अनुयायी, यीशु के आदेशों का अनुसरण कर रहे हैं, तो उन्हें जानने की जरूरत है कि यीशु के आदेश क्या हैं।

एक बड़ी परमेश्वर की आज्ञा और विशाल समिति एक बड़ा सार है कि परमेश्वर हमें क्या कहना चाहते हैं, पर यदि एक अनुयायी पूर्ण प्रमाणों में बढ़ रहा है कि परमेश्वर ने उनका निर्माण क्यों किया, तब उन्हें उनके आदेशों को और भी अधिक जानना और उनका अनुसरण करना होगा।

सोप्स के अंश

-धर्मपुस्तिका

-अवलोकन

-आवेदन

-प्रार्थनाऔर

-बांटना

ये एक आसान तरीका है बाईबल अध्ययन करने के तरीके को सीखने और उसे याद करने का जिसे यीशु का कोई भी अनुयायी इस्तेमाल कर सकता है। चलिए प्रत्येक अंश को थोड़ा और देखते हैं:

जब आप बाईबिल को पढ़ते या सुनते हैं:

- धर्म पुस्तिका : एक या उससे ज्यादा वचनों को लिखें जो आज विशेषकर आपके लिये अर्थपूर्ण हो।
- अवलोकन: वचनों को पुनः लिखें या उन पुस्तिकाओं से विशेष बिंदुओं अपने शब्दों में लिखें जिससे आप उनका अर्थ बेहतर समझ सकें।
- आवेदन: उन आदेशों और सिद्धांतों के बारे में सोचें कि उनका अनुसरण करने का आपके अपने जीवन में क्या अर्थ है। आपको क्या करना होगा ? आप को अलग तरीके से क्या करना होगा? और उन्हें लिखें।
- प्रार्थना: एक प्रार्थना लिखें जो परमेश्वर को बताती है कि आपने उनके शब्दों में क्या पढ़ा और आपने उनके आदेशों के अनुसरण के बारे में क्या समझा और लिखें आपने इससे क्या सीखा। बांटना/बताना: परमेश्वर से पूछें वो कौन है जिसके साथ वो आपको बांटने को कहते हैं जो आपने सीखा और कैसे आप उसे लागू कर रहे हैं।

ते चलिए सोप्स का कार्य लिखते हैं:

- धर्मपुस्तिका- बाईबिल में लिखा है - “ मेरे विचार और और तुम्हारे विचार एक समान नहीं हैं, न तुम्हारी गति और मेरी गति एक सी है।” परमेश्वर घोषणा करते हैं। “ क्योंकि मेरी और तुम्हारी गति में और मेरे और तुम्हारे सोच विचारों में, आकाश और पृथ्वी का अन्तर है।” यशायाह 55:8-9
- अवलोकन- एक मनुष्य के रूपमें, मुझे अधिकजानकारी नहीं हैना ये पता है कि मुझे क्या करना है। परमेश्वर हर प्रकार से असीमित है। वो सब कुछ देखते हैं और जानते हैं। वो कुछ भी कर सकते हैं।
- आवेदन- क्योंकि परमेश्वर सब कुछ जानत है और उनकी शैली सबसे अच्छी है, तो मैं अपने जीवन में और अधिक सफलता प्राप्त करूंगा अगर मैं उनका अनुसरण करूंगा बजाय अपने तरीकों से कार्य करने के।

- प्रार्थना- परमेश्वर, मुझे नहीं पता एक अच्छा जीवन कैसे जीते हैं जो आपको प्रसन्न करने और दूसरों की सहायता करे। मेरे तरीके गलतियाँ करते हैं। मेरे विचार कष्टदायी हैं। कृपया मुझे अपनी शैली और अपने विचार सीखायें। आपकी पवित्र आत्मा को मेरा मार्गदर्शन करने दीजिये ताकि मैं आपका अनुसरण करूँ।
- बांटना- मैं इन अध्यायों और इस आवेदन को अपने मित्र स्टीव के साथ बांटूंगा, जो एक मुश्किल दौर से गुजर रहा है और उसे महत्वपूर्ण निर्णयों के लिये मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

सोप्स बाईबिल अध्ययन। **ZÚME Toolkit** के सबसे आसान साधनों में से एक है।